नीतियों ने इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम बदला : नंदी

नई निर्यात नीति लागू करने से पहले मंत्री ने निर्यातकों और स्टेकहोल्डरों से ली राय

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश में वैश्विक स्तर की अवस्थापना सुविधाएं, चुस्त-दुरुस्त कानून-व्यवस्था, जल मार्ग, वायु मार्ग, रेलवे व सड़क कनेक्टिविटी और व्यावहारिक औद्योगिक नीतियों ने पूरे औद्योगिक पारिस्थितिकी (इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम) को बदल दिया है।

इन प्रयासों का परिणाम है कि यूपी निवेश का सर्वोत्तम डेस्टिनेशन बन कर उभरा है। ये बातें औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने प्रदेश में निर्यात नीति 2020-25 की समयावधि जल्द खत्म होने के कारण नई निर्यात नीति 2025-30 लागू करने से पहले आयोजित बैठक में कहीं।

सोमवार को गोमती नगर स्थित एक होटल में निर्यात संवर्धन परिषदों, औद्योगिक संगठनों, निर्यातकों, जानकारों व स्टेकहोल्डर्स के सुझाव

गोमतीनगर में हुई कार्यशाला में उद्यमी को चेक देते मंत्री नंद गोपाल नंदी। -संगठन

और विचार जानने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। नंदी ने कहा कि किसी भी राज्य के औद्योगिक विकास के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर, कानून-व्यवस्था, कनेक्टिविटी और औद्योगिक नीति सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और सीएम योगी के नेतृत्व में यूपी ने पिछले सात वर्षों में इन चारों स्तंभों को मजबूत किया है।

उन्होंने कहा कि निवेशक और उद्यमी यूपी में अपनी इंडस्ट्री, निवेश और व्यापार की सुरक्षा को लेकर आश्वस्त हैं। सरकार ने औद्योगिक विकास के दोनों पहलुओं निवेश व निर्यात दोनों को प्राथमिकता दी है। प्रदेश में एयरपोर्ट, रेलवे, हाईवे, जलमार्ग और एक्सप्रेसवे के विकास से निर्यात की संभावनाओं में वृद्धि हुई है। इससे परिवहन सस्ता व सुलभ हुआ है। यही कारण है कि पिछले सात साल में यूपी से निर्यात में लगभग दोगुनी वृद्धि हुई है।

वित्तीय वर्ष 2017-18 में निर्यात 88 हजार करोड़ था, जो 2023-24 में बढ़कर 1.70 लाख करोड़ रुपये हो गया है। नंदी ने कहा कि वर्तमान में लागू निर्यात नीति की समयावधि 2025 में समाप्त होने के कारण सरकार 2025-30 के लिए निर्यात नीति निर्धारित करने से पहले स्टेकहोल्डर्स और निर्यातकों के सुझाव जानना चाहती है। प्रमुख सचिव एमएसएमई और निर्यात प्रोत्साहन आलोक कुमार ने कहा कि भारत व प्रदेश के निर्यात के सामने चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश निर्यात नीति 2025-30 लागू की जाएगी।